हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 01 अंक–46 : जौनपुर, शनिवार 08 अक्टूबर 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

अब हर गांव में होगा ओपन एयर जिम और खेल मैदान –सीएम योगी

प्रयागराज ब्यूरो : अब हर गांव में खेल के मैदान संग ओपेन एयर जिम होगा। इतना ही नहीं, गांवों से निकलने वाले खिलाड़ियों को उनके आसपास ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलेंगी। अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित खेल महोत्सव के समापन समारोह में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा, जिला पंचायती राज, युवा एवं खेल विभाग समेत अन्य विभागों के सहयोग से हर गांव में ओपन एयर जिम बनाए जाएंगे। इसमें पीपीपी मॉडल के तहत लोगों की भी मदद ली जाएगी। देश और प्रदेश के लिए पदक जीतने का सपना देखने वाले खिलाड़ियों को इससे मजबूत आधार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैसे की कोई कमी नहीं है। जरूरत है सुनियोजित निवेश की। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि, 'खूब खेलें, आपकी उड़ान में किसी तरह की बाधा नहीं आएगी।' इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने बताया कि हर जिले में मिनी स्टेडियम और स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। निजी खेल एकेडमी को भी सरकार की ओर से मदद दिए जाने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय खेल उपेक्षित हुआ करता था लेकिन आज हमारे खिलाड़ी ऊंचाइयों को छू रहे हैं। वैश्विक स्तर पर किसी देश की पहचान बनती है और हमारे खिलाड़ी उस पहचान को स्थापित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं का जिक्र करते

हुए खिलाड़ियों से एकलव्य की तरह एकाग्र होकर और टीम भावना के साथ आगे बढ़ने की अपील की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले चार खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश विक्रम नाथ ने यहां से निकलने वाले खिलाड़ियों का जिक्र करने के साथ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के विस्तार की बात कही। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उद्योग मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला। खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरिश चंद्र यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। अपर मुख्य सचिव खेल नवनीत सहगल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रंजना त्रिपाठी ने किया। कॉमनवेल्थ गेम्स के खिलाड़ियों का होगा सम्मान कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेताओं तथा प्रतिभाग करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को सरकार की ओर से सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ओलंपिक के पदक विजेताओं तथा उसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को पहली बार सम्मानित किया गया। इसी तरह से कॉमनवेल्थ गेम्स के खिलाड़ियों के सम्मान में भी जल्द आयोजन होगा।

तकनीकी खामी आने से खड़ी हो गई वंदे भारत एक्सप्रेस : दिल्ली से मंगाया गया शताब्दी का रेक

प्रयागराज ब्यूरो : नई दिल्ली से वाराणसी के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस शनिवार को खुर्जा रेलवे स्टेशन के नजदीक अचानक खड़ी हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रेन की चेयर कार कोच नंबर सीट में ब्रेक ब्लॉक हो गया था। उस वजह से ट्रेन में हॉट एक्सेल की शिकायत आई और उसके पहियों से धुआं निकलने लगा। राहत भरी बात यह रही कि समय रहते रेलवे स्टाफ ने यह गड़बड़ी पकड़ ली और प्रयागराज स्थित कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दे दी। कंट्रोल रूम में आए मैसेज के बाद ट्रेन को रोक दिया गया। पहले तकनीकी गड़बड़ी दूर करने का प्रयास किया गया लेकिन जब सारी कोशिशें नाकाम हो गई तो नई दिल्ली से शताब्दी एक्सप्रेस का रेक भेजा गया, जिसमें वंदे भारत एक्सप्रेस के यात्रियों को शिफ्ट किया गया। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि जो गड़बड़ी थी वह समय रहते पकड़ ली गई और शताब्दी का रेक दिल्ली से मंगाया गया और उसमें यात्री शिफ्ट किए गए हैं। गाड़ी सं 22436 नई दिल्ली –वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह अपने निर्धारित समय 06.00 नई दिल्ली स्टेशन से रवाना हुई और समय 06.38 बजे उत्तर मध्य रेलवे के दादरी स्टेशन से पार हुई। उसके उपरांत जब यह गाड़ी लेवल क्रॉसिंग गेट सं 146 को पार कर रही थी तो वहां कार्यरत गेट मैन शाजेब, ना केवल गेट के प्रहरी के रूप में कार्य कर रहे थे वरन पासिंग ट्रेन के डिब्बों के अंडर गियर पर सतर्क निगाहें रखे हुए थे। उन्होंने ट्रेन के पिछले एस एल आर से 7वें डिब्बे में कुछ घर्षण महसूस किया और इसको भांपते हुए ब्रेक ब्लॉक जाम की तत्काल रिपोर्ट की । उनकी सूचना पर ट्रेन को ट्रेन को 06.46 बजे अजायबपुर पर ऑनबोर्ड TXR स्टाफ द्वारा चेक किया गया और कोच सं सी–8, नंबर NR–188322 में ब्रेक बाइंडिंग मिली जिसे

TXR कर्मचारियों द्वारा ठीक कर अलग किया गया और ट्रेन समय 07.03 बजे रवाना हुई। इसी क्रम में ट्रेन के आगे रवाना होने पर इसमें ट्रेन के दनकौर स्टेशन से पास होने के समय स्टेशन मास्टर बृजेश कुमार एवं प्वाइंटमैन बृजेश कुमार ने उसी कोच में फिर कुछ अनुचित पाया और ओएचई को बंद कर समय 07:18–07:20 पर दनकौर–वैर स्टेशनों के बीच किलोमीटर –1392/30 पर रोकी गई। यहां पाया गया कि, ट्रेन की ट्रैक्शन मोटर में बियरिंग की गड़बड़ी है और और जिसे खुर्जा से ट्रेन नं. 22823 से गैस कटर मंगवा कर काटा गया बियरिंग जाम के दृष्टिगत सभी बोल्ट काट कर साइट से –09:25 बजे प्रतिबंधित गति के साथ रवाना किया गया। ट्रेन को आगे 09:43 बजे वैर में लूप लाइन में रोक कर फिर 80 मिमी के फ्लैट टायर मिलने के कारण, ट्रेन को खुर्जा तक 20 किमी प्रति घंटे की सीमित गति से लाया गया है। इसमें संरक्षा की दृष्टि से समस्या के कारण और यात्रियों की असुविधा को न्यूनतम करने के उद्देश्य से दिल्ली से शताब्दी एक्सप्रेस के रेक को मंगा कर 12.57 बजे सभी यात्रियों को इसमें स्थानातरित कर ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया । इस पूरी कार्यवाही को ट्रेन में उत्तर रेलवे दिल्ली मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक निरीक्षण जांच के क्रम में यात्रा कर रहे थे उनके मार्ग दर्शन में उत्तर मध्य रेलवे और उत्तर रेलवे के 06 अधिकारियों की टीम ने सुचारु रूप से क्रियान्वित किया।इस दौरान खुर्जा स्टेशन पर टूंडला तथा अलीगढ स्टेशन से यात्रियों की सहायता के लिए भेजे गए 40 कर्मचारियों तथा स्टेशन पर स्थित अधिकारीयों और कर्मचारियों की टीम द्वारा 1068 यात्रियों को दूसरे रेक में स्थानंतरित किया गया। इस दौरान उत्तर मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी नियंत्रण कक्षों के माध्यम से ट्रेन और स्टेशन स्टाफ के संपक में रहते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए थे और कार्यवाहियों का मार्गिनिर्देशन कर रहे थे। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने इन सतर्क रेल कर्मियों की प्रशंसा की और कहा कि हमारे रेल कर्मियों की सतर्कता ही रेल संरक्षा का आधार है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

सेंट क्लेयर कान्वेंट स्कूल में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। रजत जयंती वर्ष 2022–2023 के उद्घाटन के अवसर पर''अमानी'' सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन 8 अक्टूबर 2022, शनिवार को स्कूल प्रांगण मे किया गया। इस अवसर पर

फादर डोनॉल्ड डिसूजा मुख्य अतिथि रहे। साथ ही पं0 हरि प्रसाद मिश्रा, ज्ञानी सुखदेव सिंह , सिस्टर कमला, मौलाना डा0 शफीक हुसैन, अब्दुल नसीर नासिर और भीकू कमाल शील जी जैसे गणमान्य वक्ताओं ने इस कार्यक्रम मे उपस्थित रहकर समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की थीम शांति और सदभावना रही जिस पर मुख्य अतिथि एवं सभी वक्ताओं सहित विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर विनीता जासेफ ने अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम मे छात्र–छात्राओं द्वारा कई रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की गई। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधक सिस्टर अर्पिता, विद्यालय प्रशासक, अध्यापकों, विद्यार्थियों, अभिभावको और प्रत्रकारों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया।

हर गरीब को न्याय दिलाना एवं अपराधियों पर कार्यवाही कराना शासन की प्राथमिकता –एम0पी0 सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) माह के द्वितीय शनिवार को थाना बिलग्राम में जिलाधिकारी एम0पी0 सिंह की अध्यक्षता में थाना समाधान का आयोजन किया गया। थाना समाधान दिवस में कटरी के कई ग्रामों में गरीबों की पट्टे एवं अन्य सरकारी भूमि पर दंबगों द्वारा अवैध कब्जा करने की प्राप्त शिकायतों पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित क्षेत्र के कानूनगों एवं लेखपालों को निर्देश दिये कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुसार गरीबों की पट्टे की भूमि सहित समस्त सरकारी भूमि पर किये गये अवैध कब्जों को पुलिस बल के साथ जाकर तत्काल हटवायें तथा दबंगों तथा भूमाफियों पर सख्त कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने कहा कि गांव के हर गरीब को न्याय दिलाना एवं अपराधियों पर कार्यवाही कराना शासन की प्राथमिकता है, इसलिए सभी लेखपाल व कानूनगो अपने दायित्वों का ईमानदारी से पालन करे और नियमित रूप से बीट सिपाही के साथ गांव का भ्रमण करें और गांव की गतिविधियों पर नजर बनायें रखें। थाना समाधान दिवस में थाना मल्लावां ग्राम मगरहा की एक बर्जुग महिला ने प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके पुत्र द्वारा घर में रहने नहीं दिया जाता है तथा आये दिन मार–पीट करता है, इस पर जिलाधिकारी ने संवेदना प्रकट करते हुए सीओ बिलग्राम ए0के0 सिंह को निर्देश दिये कि उक्त प्रार्थनी के बेटे को सख्ती से आगाह करें और दोबारा सताने पर कार्यवाही करें। थाना समाधान दिवस में अपराध से सम्बन्धित शिकायतों के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने थानाध्यक्ष को निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्र के दबंग, अपराधिक, आसामाजिक तथा आराजक तत्वों के सम्बन्ध में बीट सिपाहियों से प्रतिदिन जानकारी लें और क्षेत्र में शान्ति व्यवस्था बनायें रखें। थाना समाधान दिवस में प्राप्त 11 प्रार्थना के संबंध में जिलाधिकारी ने कानूनगों एवं लेखपालों को निर्देश दिये प्राप्त शिकायतों का

एक सप्ताह में निस्तारण सुनिश्चित करें। समाधान दिवस में उप जिला अधिकारी बिलग्राम राहुल कश्यप विश्वकर्मा, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार उपस्थित रहे। इससे पूर्व बिलग्राम थाना समाधान दिवस में आते समय तहसील बिलग्राम के पास काफी बड़े–बड़े गड्ढ़ों को देखकर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी बिलग्राम को निर्देश दिये कि आम लोगों की दिक्कतों को ध्यान मे रखते हुए दो दिन में उक्त गड्ढ़ों को भरवाना सुनिश्चित करें।

नानपारा–लखीमपुर राजमार्ग पर लघु सेतु धंसा : वाहनों का आवागमन बंद : लगा जाम

बहराइच ब्यूरो : बहराइच में बारिश और बाढ़ से नानपारा–लखीमपुर राजमार्ग पर लघु सेतु धंस गया है। लघु सेतु धंसा से वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया है। इस वजह से वाहनों की लंबी कतार लग गई हैं। जानकारी के अनुसार, बहराइच के मोतीपुर थाना इलाके के रायबोझा के पास हाईवे पर लघु सेतु धंस गया। इस वजह से आवागमन बंद हो गया है। राजमार्ग के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई है। दो दिन की बारिश से धंसा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, फंसी कार इससे पहले, सुल्तानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे बृहस्पतिवार की रात हलियापुर के पास धंस गया। 15 फीट चौड़े और पांच फीट गहरे गड्ढे में फंसकर कार सवार चार लोग घायल हो गए। जबकि कई वाहन एक–दूसरे से टकरा गए। यूपीडा ने रात में ही बड़े वाहनों को रोककर मरम्मत कार्य शुरू कराया। शुक्रवार की सुबह नौ बजे तक गड्ढे को पूर तरह पाट दिया गया। हलियापुर के पास 83 किमी. प्वॉइंट पर बृहस्पतिवार की रात करीब साढ़े नौ बजे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे अचानक धंस गया। एक्सप्रेसवे पर 15 फीट चौड़ा और पांच फीट गहरा गड्ढा हो गया। इस बीच लखनऊ की ओर से आ रही एक कार गड्ढे की चपेट में आ गई, जिससे उस पर सवार चार लोग घायल हो गए। देखते ही देखते पांच–छह वाहन एक दूसरे से टकरा गए और वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही यूपीडा के अधिकारी–कर्मचारी जेसीबी के साथ मौके पर पहुंच गए। कर्मचारियों ने गड्ढे में घुसी कार को निकालकर घायल धर्मेंद्र कुमार निवासी सबलपुर, पटना, नौशाद अनवर निवासी पुरवी, थाना पुछवा, मुजफ्फरपुर, मुकेश कुमार और रंजीत कुमार निवासी सलूलपुर, पटना को अयोध्या के

कुमारगंज स्थित अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया। उधर, यूपीडी ने बड़े वाहनों को रोककर और छोटे वाहनों को बगल से निकालकर गड्ढे को पाटने का काम शुरू किया। सुबह करीब नौ बजे तक चले कार्य के बाद गड्ढे को पाट दिया गया है। अभी वहां डामरीकरण होना बाकी है। एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव (पूर्वी उप्र) अजय पांडेय बागी व प्रदेश सचिव (पूर्वी उप्र) दुर्गेश प्रताप सिंह ने बताया कि उनकी जीप भी गड्ढे में फंस गई थी। हालांकि वे बाल–बाल बच गए। लोकार्पण से पहले भी धंसी थी सड़क करीब 11 माह पूर्व बनकर तैयार हुआ एक्सप्रेसवे लोकार्पण से पहले भी एक बार धंस चुका है। पिछले साल मई महीने में हुई बरसात के दौरान कुवांसी–हलियापुर के बीच एक्सप्रेसवे के अंडरपास की बीम दरक गई थी। अंडरपास की रेलिंग व फुटपाथ की मिट्टी बह गई थी। सड़क में दरार आ गई थी। किमी. 80 पर जरईकलां गांव के पास एक्सप्रसेवे की साइड लेन भी धंस गई थी। सोशल मीडिया पर हुई खूब चर्चा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के धंसने को लेकर लोगों ने सरकार को खूब ट्रोल किया। इनमें राजनीतिक दलों के साथ ही आम लोग भी शामिल रहे। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर 5 फीट गहरा 15 फिट लंबा गड्ढा, कांग्रेस बोली–सरकार के भ्रष्टाचार का इससे बड़ा साक्ष्य क्या होगा? कांग्रेस ने ट्वीट में यह भी लिखा है, हाल–फिलहाल ही बना पूर्वांचल एक्सप्रेसवे अभी दो बरसात भी नहीं देख पाया कि टूटकर धंस गया। हलियापुर थाना क्षेत्र के पास इस पर लगभग 5 फुट गहरा गड्ढा हो गया है, जिस कारण कई वाहनों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिल रही है।

साहित्य चेतना मंच आयोजित करेगा वाल्मीकि जयन्ती पर कवि सम्मेलन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जयंती पर नौ अक्टूबर को सायं पांच बजे से साहित्य चेतना मंच द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कवि सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, पूर्व उपमुख्यमंत्री डा0 दिनेश शर्मा करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि

डा० नीरज बोरा विधायक लखनऊ उत्तर तथा महापौर संयुक्त भाटिया होंगी। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कालीचरण इण्टर कालेज के पूर्व उप–प्रधानाचार्य एवं कवि तेज नारायण पाण्डेय 'तेजेश तथा संचालन सौरभ जायसवाल द्वारा किया जाएगा। कवि सम्मेलन में सुप्रसिद्ध कवि कमल किशोर भावुक, सरला शर्मा, वन्दना विशेष गुप्ता, मोनिका सांई, योगेश शुक्ल, शेखर त्रिपाठी, प्रियांशु वात्सल्य, मृत्युंजय बाजपेयी, अधिवक्ता रूचि विकास श्रीवास्तव, एवं अमन त्रिपाठी आदि कवि प्रतिभाग करेंगे।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जन्म सभी का सामान्य होता है लेकिन अच्छे कर्मों से मौत को ऐतिहासिक बनाया जा सकता है।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

बंधन नहीं मुक्ति चाहिए : हिजाब पर छिड़ी बहस

बांग्लादेश के मदरसों में पढ़ने वाली लड़कियों को बुर्का पहनने के लिए कट्टरवादी लोग बाध्य करते हैं। अब ऐसे तत्व कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं पर भी बुर्का पहनने का दबाव बना रहे हैं। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय की छवि एक प्रख्यात धर्मनिरपेक्ष शिक्षा संस्थान की रही है, जहां मानवाधिकार के पक्ष में छात्र आंदोलनों का लंबा इतिहास रहा है।

वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान की कट्टरवादी सरकार ने महिलाओं के लिए हिजाब और ढीली पोशाकें अनिवार्य कर दी है। उससे पहले ईरान की महिलाएं क्या हिजाब ओढ़ती थीं? इस्लामी क्रांति से पहले जिसे इच्छा होती, सिर्फ वही हिजाब ओढ़ती थी। तब वहां की महिलाएं समुद्र तट पर बिकिनी में अधलेटी रहती थीं, स्कर्ट पहनकर सड़कों पर निकलती थीं। लेकिन वहां कट्टरवादियों ने सत्ता में आने के बाद महिलाओं की आजादी खत्म कर दी।

इस्लामी कट्टरवादी जहां भी सत्ता में आते हैं, सबसे पहले महिलाओं की स्वतंत्रता और उनके अधिकार खत्म करते हैं। वे महिलाओं को यौन वस्तु, पुरुषों की दासी और संतान पैदा करने की मशीन के रूप में देखते हैं। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से बांग्लादेश की महिलाओं को भी हिजाब ओढ़ाने का अभियान चल रहा है। बीती सदी के सातवें–आठवें दशक के और आज के बांग्लादेश में जमीन–आसमान का फर्क है। अब वहां की लड़कियों–महिलाओं को काले कपड़ों और हिजाब के पर्दे से जैसे ढक दिया जा रहा है।

पिछली सदी में बांग्लादेश के लोग क्या धार्मिक नहीं थे? जाहिर है कि तब वे आज की तुलना में कम धार्मिक नहीं थे। फिर ऐसा क्या हुआ कि महिलाओं की पोशाकों में इतने व्यापक बदलाव लाने की जरूरत पड़ गई? इस बदलाव की वजह दरअसल धार्मिक है। आज का इस्लाम धार्मिक इस्लाम नहीं, बल्कि राजनीतिक इस्लाम है। मस्जिदों और मदरसों में जिस इस्लाम का प्रचार किया जाता है, वह राजनीतिक इस्लाम है। हालांकि बांग्लादेश के कुछ मौलवियों का कहना है कि हिजाब पर जोर नहीं है, यह ऐच्छिक है।

जाहिर है, जिस दिन वहां के कट्टरवादियों को लगेगा, उस दिन वे हिजाब को ऐच्छिक के बजाय अनिवार्य बता देंगे, जैसा कि ईरान में इन दिनों हो रहा है। शिया और सुन्नी के बीच फर्क व विरोध है, लेकिन उनकी कट्टरवादी सोच में कोई फर्क नहीं है। स्त्री दोनों के ही निशाने पर है। स्त्रियों को हराना, उनकी शिक्षा में बाधा पैदा करना, उन्हें आत्मनिर्भर नहीं बनने देना, और उन्हें आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान के साथ न जीने देना–यही इन दोनों का उद्देश्य है। ईरान की लड़कियां कई वर्षों से हिजाब की अनिवार्यता के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं।

कुछ साल पहले ईरान में एक लड़की ने सड़क के किनारे रखे यूटिलिटी बॉक्स के ऊपर खड़े होकर अपने सिर से सफेद स्कार्फ खोलकर उसे एक लाठी में लपेटकर हिलाते हुए सड़क से चलते लोगों को दिखाया था। पुरुष वर्चस्ववाद को चुनौती देता वह दृश्य देखते–देखते इतना लोकप्रिय हुआ कि ईरान के दूसरे शहरों में भी लड़कियों ने यही काम किया। कुछ दुस्साहसी लड़कियों ने तो मस्जिदों के गुंबज पर चढ़कर अपने सिर से हिजाब खोलकर हवा में लहराया था।

हिजाब के उस प्रतीकात्मक विरोध का अर्थ यह था कि जो महिलाएं हिजाब ओढ़ना चाहती हैं, वे शौक से ओढ़ें, लेकिन सभी स्त्रियों को हिजाब ओढ़ने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। लेकिन कट्टरवादी राष्ट्र ईरान महिलाओं को हिजाब के मामले में छूट देने के लिए राजी नहीं है। उसने एक के बाद एक विद्रोही लड़की को गिरफ्तार किया है और उस पर कार्रवाई की है। महसा आमिनी नाम की बाईस साल की एक लड़की को तो सिर्फ इसलिए हिरासत में लिया गया, और बाद में पिटाई से उसकी मौत हो गई, क्योंकि उसके हिजाब की चौड़ाई कम थी!

महसा की मौत के बाद हजारों स्त्री–पुरुष ईरान की सड़कों पर उतर गए। नतीजतन वहां हिजाब की अनिवार्यता के खिलाफ फिर से जोरदार आवाजें उठने लगी हैं। बहुत सारी लड़कियों ने पुलिस और शासन को चुनौती देते हुए खुली सड़क पर अपने हिजाब खोलकर हवा में लहराए। कुछ लड़कियों ने हिजाब में आग लगा दी, तो कुछ ने सड़क पर ही अपने बाल काट लिए। और हिजाब के खिलाफ यह आंदोलन अब सिर्फ ईरान केंद्रित ही नहीं है।

दुनिया के अलग–अलग देशों के वे लोग भी हिजाब के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, जो स्त्री स्वतंत्रता के पक्षधर हैं। इस बीच कट्टरवादी समाज के अनेक लोग हिजाब की अनिवार्यता के पक्ष में भी तर्क दे रहे हैं। ऐसे लोगों को ईरान में हिजाब का विरोध करने वाली महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार पर० भी नजर रखनी चाहिए। ऐसी लड़कियों को गिरफ्तार कर थाने में ले जाकर उन पर जुल्म ढाए जाते हैं, उन्हें भारी जुर्माना भरना पड़ता है और कैद में भी रहना पड़ता है।

इस उपमहाद्वीप के बांग्लादेश और पाकिस्तान में कट्टरवाद का जैसा उभार हुआ है और महिलाओं ने हिजाब और बुर्का को व्यापकता में अपनाकर राजनीतिक इस्लाम का रास्ता जिस तरह सुगम कर दिया है, उस पृष्ठभूमि में इन दो देशों में भी आने वाले दिनों में महिलाओं के लिए बुर्का और हिजाब को अनिवार्य कर दिया जाए, तो आश्चर्य नहीं होगा। बांग्लादेश के मदरसों में पढ़ने वाली लड़कियों को बुर्का पहनने के लिए कट्टरवादी लोग बाध्य करते हैं।

अब ऐसे तत्व कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं पर भी बुर्का पहनने का दबाव बना रहे हैं। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय की छवि एक प्रख्यात धर्मनिरपेक्ष शिक्षा संस्थान की रही है, जहां मानवाधिकार के पक्ष में छात्र आंदोलनों का लंबा इतिहास रहा है। कट्टरवादी लोग अगर ऐसे एक चर्चित उच्च शिक्षा संस्थान की एक खास धार्मिक पहचान गढ़ने में सफल हो जाते हैं, तो राजनीतिक इस्लाम की वह एक बड़ी जीत होगी।

हर लड़की के लिए हिजाब अनिवार्य करना कट्टरवादियों का षड्यंत्र है। इस षड्यंत्र के सफल होने से पहले ही बांग्लादेश की लड़कियों ने हिजाब और दुपट्टे के बगैर सैफ फुटबॉल चौंपियनशिप जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। जिन कट्टरवादियों का अब वहां बोलबाला है, देश को गौरवान्वित करने में उनका कोई योगदान नहीं। साफ है कि बुर्के और हिजाब में जकड़ने से लड़कियों का कल्याण नहीं होने वाला।

बेहतर हो कि लड़कियों को आगे बढ़ने दिया जाए, उन्हें खाने, पहनने–ओढ़ने की आजादी दी जाए, उन्हें जीवन में उनकी पसंद का क्षेत्र चुनने दिया जाए। इस 21वीं सदी में लड़कियों–महिलाओं को हिजाब और बुर्के में घेरकर रखने की कोशिश पर सिर्फ तरस ही खाया जा सकता है। ईरान की लड़कियों की आजादी के पक्ष में खड़े होने और एकजुट होने की जरूरत है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

सीएम दौरे के पहले 'बम' की सूचना से सनसनी : कंट्रोल रूम में आए फोन से उड़े अफसरों के होश

प्रयागराज ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शहर आगमन से थोड़ी देर पहले मिली एक सूचना ने पुलिस अफसरों के होश उड़ा दिए। एक शख्स ने फोन के जरिये सूचना दी कि कुछ लोग इंदिरा भवन को बम से उड़ाने की बात कर रहे हैं। इसके बाद करीब एक घंटे तक इंदिरा भवन का चप्पा–चप्पा खंगाला गया। बेसमेंट से लेकर पांचवें तल तक एंटी सबाटोज टीम और डॉग स्क्वॉड ने तलाशी ली। पूरे परिसर की चेकिंग कराई गई। सघन तलाशी के बाद भी कुछ नहीं मिला तब सभी ने राहत की सांस ली। घटना शाम करीब 4.15 बजे हुई। 100 नंबर पर कॉल कर एक व्यक्ति ने सूचना दी कि कुछ लोग इंदिरा भवन को बम से उड़ाने की बात कर रहे हैं। वह यह भी बात कर रहे हैं कि बम एक बैग में रखा गया है। सूचना कंट्रोल रूम को दी गई तो अफसरों को जानकारी दी गई। इसके बाद एंटी सबाटोज टीम और डॉग स्क्वॉड भी पहुंच गया। टीम

ने सबसे पहले बेसमेंट में पहुंचकर तलाशी शुरू की। इसके बाद एक–एक कर ऊपर के तलों पर पहुंची। डॉग स्क्वॉड व एंटी सबाटोज टीम को देखकर दुकानदारों व ग्राहकों में भी अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। बहुत से दुकानदार व ग्राहक इंदिर भवन से बाहर निकलकर परिसर में खड़े हो गए। मौके पर सीओ सिविल लाइंस भी आ गए। करीब एक घंटे तक चप्पे–चप्पे की तलाशी ली गई। इसके बाद टीम वापस चली आई। मामले में सीओ से बात करने की कोशिश की गई लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में समाधान दिवस का हुआ आयोजन

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

हरदोई : पाली थाने पर नायब तहसीलदार पीयूष भार्गव की अध्यक्षता में थाना दिवस का आयोजन हुआ। नायब तहसीलदार के द्वारा जनता की फरियाद सुनी गई और जमीनी विवाद से सम्बंधित जो भी मामले आये उसे हल्का लेखपाल और आरआई को मौके पर जाकर निस्तारित करने का आदेश दिया। इस दौरान कार्यवाहक प्रभारी एसआई संजय कुमार राय ने शिकायतों को सुना। थाना दिवस में कुल 9 शिकायतें मिली जिनमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया शेष सभी राजस्व से संबंधित शिकायतों को हल्का लेखपालों व आर आई को निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। शनिवार को पाली थाने पर नायब तहसीलदार पीयूष भार्गव की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान नायब तहसीलदार ने कहा कि राजस्व विभाग के कर्मचारी पुलिस के साथ सामंजस्य स्थापित करके समाधान दिवस में आई शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समयान्तर्गत निस्तारण करें क्योंकि जमीनी विवाद ही बड़े अपराध का कारण बनते हैं।कार्यवाहक थाना प्रभारी संजय कुमार राय

ने कहा कि भूमि विवाद के मामलों में लेखपालों को जहाँ भी पुलिस की आवश्यकता होगी उन्हें तत्काल पुलिस बल मुहैया कराया जायेगा। इस दौरान आरआई प्रमोद पाण्डेय,कुलदीप कुमार,लेखपाल नीरज कुमार, आशुतोष शुक्ला,सुनील कुमार मिश्रा, सतीश चंद्र, विवेक राठौर, प्रमोद कुमार,राहुल वर्मा,चकबन्दी लेखपाल पंकज यादव,एसआई आदित्य मौर्या, एसआई रामवचन भारती,एसआई नरेन्द्र कुमार के अलावा कपिल अवस्थी व फरियादी मौके पर मौजूद रहे।

पिता के साथ गोरखपुर आए थे कलम के जागदूर : यहां मुंशी प्रेमचंद ने दो कहानियां लिख बने थे कथा सम्राट

गोरखपुर ब्यूरो : उपन्यास और कहानियों के सम्राट कहे जाने वाले मुंशी प्रेमचंद का गोरखपुर से गहरा नाता रहा। उनका बचपन शहर की गलियों में बीता ही था लेकिन जब वह नौकरी के दौरान गोरखपुर आए तो शहर के बेतियाहाता स्थित निकेतन में पांच साल रहकर उन्होंने अपनी दो मशहूर कहानियां लिखी थीं। बता दें कि आठ अक्तूबर 1936 में प्रेम चंद का निधन हो गया था। धनपत राय 'मुंशी प्रेमचंद' का बचपन गोरखपुर के तुर्कमानपुर मोहल्ले में ही बीता था, शिक्षा विभाग की नौकरी के दौरान उनका तबादला हुआ तो वह 1916 में गोरखपुर दोबारा आए। उन्होंने बेतियाहाता स्थित मुंशी प्रेमचंद पार्क में स्थित निकेतन को अपना आशियाना बनाया। उसके बाद वह इस निकेतन में तबतक रहे, जब तक उन्होंने नौकरी से त्यागपत्र नहीं दे दिया। त्यागपत्र देने की वजह महात्मा गांधी का वह प्रभावशाली भाषण था, जो उन्होंने 1921 में बाले मियां के मैदान में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए दिया था। त्यागपत्र देने के तीन दिन बाद ही वह निकेतन छोड़कर वाराणसी चले गए। मुंशी प्रेमचंद के बचपन के चार वर्ष गोरखपुर में बीते। वह इस शहर में पहली बार 1892 में अपने पिता मुंशी अजायबराय के साथ आए, जो डाक विभाग में मुलाजिम थे। चार वर्ष के प्रवास के दौरान उन्होंने यहां रावत पाठशाला और मिशन स्कूल से आठवीं कक्षा पास की। इनसे हटकर धनपत राय के गोरखपुर में

अनौपचारिक शिक्षा के भी केंद्र थे, जिनसे यह महान कथाकार निकला। 'ईदगाह' और 'नमक' का दारोगा लिखी 'ईदगाह' और 'नमक का दारोगा' जैसी मशहूर कहानियां प्रेमचंद ने बेतियाहाता स्थित निकेतन में रहने के दौरान लिखी थीं। ईदगाह की पृष्ठभूमि उन्हें निकेतन के ठीक पीछे मौजूद हजरत मुबारक खां शहीद के दरगाह के सामने की ईदगाह से मिली थी तो नमक का दारोगा की पृष्ठभूमि राप्ती नदी के घाट से। निकेतन को धरोहर मानते हुए यहां पार्क विकसित कर दिया गया और उस पार्क को मुंशी जी का नाम दे दिया गया। लाइब्रेरी का हो रहा संचालन निकेतन में मुंशी प्रेमचंद की पत्नी शिवरानी देवी की ओर से बनवाई गई प्रेमचंद की प्रतिमा उनकी याद के तौर पर मौजूद थी, जिसे 2014 में एक तत्कालीन अपर आयुक्त ने पार्क के गेट पर स्थापित करवा दिया। वर्तमान में निकेतन में प्रेमचंद साहित्य संस्थान की ओर से लाइब्रेरी का संचालन किया जाता है।

वाराणसी में मैजिक और पिकअप में भिड़ंत : दोनों वाहनों के चालक घायल

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी के कपसेठी थाना क्षेत्र के नेताजी इंटर कॉलेज बरकी के पास शनिवार दोपहर पिकअप और मैजिक में आमने–सामने की भिड़ंत हो गई। घटना में मैजिक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। दोनों वाहनों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेवापुरी ले गई। जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। औराई भदोही निवासी चालक राजेश कुमार (35) पिकअप लेकर कछवा से कपसेठी की तरफ जा रहा था। नेता जी इंटर कॉलेज बरकी के पास कपसेठी से कछवा की ओर जा रही मैजिक से आमने–सामने की टक्कर हो गई। मैजिक के परखच्चे उड़ गए। वहीं

पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे में मैजिक का चालक गुड्डू बिंद (30) वर्ष निवासी बरैनी थाना कछवा जनपद मिर्जापुर और औराई भदोही निवासी पिकअप चालक राजेश कुमार घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

नवागत छात्र–छात्राओं का श्री शारदा ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ के गोसाईगंज में स्थित श्री शारदा ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन में वर्ष 2022 के नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं का ओरिएंटेशन कार्यक्रम संस्थान में बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना तथा अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में पधारे डॉ अरुण मोहन शेरी जी(निदेशक आई0आई0आई0टी0 लखनऊ) ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी कार्य कठिन नहीं है, यदि उसे पूर्ण मनोयोग के साथ किया जाए । विशिष्ट अतिथि के रुप में पधारे प्रोफेसर एच0 पी0 माथुर जी (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के डीन तथा प्रमुख) ने व्यावहारिक ज्ञान को जीवन की आधारशिला बताते हुए कहा कि प्रतिदिन कुछ ना कुछ नया सीखते रहना चाहिए । संस्थान की एकादमिक गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए श्रीमती लक्ष्मी वक्चर तथा सर्वेश पांडे जी को संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। संस्थान की प्रशासनिक गतिविधियों में अच्छा कार्य हेतु आकांक्षा मिश्रा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। एम0बी0ए0, बी0बी0ए, बी0सी0ए0, बी0कॉम0 तथा बी0ए0 की परीक्षाओं में सर्वोत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य

अतिथि तथा संस्थान के डीन द्वारा पुरस्कृत किया गया। आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए संस्थान के डीन प्रोफेसर विवेक मिश्रा जी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की सभी को बधाई दी तथा विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने को कहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉक्टर मनीष तिवारी (डीन एकेडमिक्स), श्रीमती लक्ष्मी वच्चर तथा समस्त शिक्षक एवम छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

प्यार में धोखा मिलने पर युवती ने जहरीला पदार्थ खाया : हरदोई रेफर

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) : कोतवाली पिहानी विकासखंड हरियावा के एक गांव प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमी ने शादी से इनकार करने पर युवती ने जहरीला पदार्थ खा लिया। आनन फानन में युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के बाद हालत चिंताजनक देखते हुए डॉक्टर सुभेष ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती का पड़ोस के ही एक गैर जाति के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। यह बात युवती के भाइयों को पसंद नहीं थी। 1 सप्ताह पूर्व भाइयों ने युवती को मारपीट कर घर से भगा दिया था। प्रेम प्रसंग के चलते युवती को भाइयों ने ठुकरा दिया था। भाइयों की शिकायत को लेकर युवती कोतवाली पिहानी पहुंची थी। बाद में जब युवती ने प्रेमी से शादी करने के लिए कहा तो वह भी मुकर गया। प्रेमी के शादी से मना करने पर युवती ने जहरीला पदार्थ खा लिया। कोतवाल बेनी माधव त्रिपाठी ने बताया कि अभी तक मामला संज्ञान में नहीं है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

नवोदय विद्यालय लखनऊ में सत्र 2023–24 में कक्षा 9 में प्रवेश हेतु आवेदन करने का सुनहरा मौका–प्राचार्य

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जवाहर नवोदय विद्यालय लखनऊ में सत्र 2023–24 में कक्षा 9 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, ऐसे छात्र जो अभी जनपद लखनऊ के विद्यालयों में कक्षा 8 में अध्ययन कर रहे हैं वे आवेदन करने के लिए योग्य हैं. आवेदन करने के लिए वेबसाइट www.navodaya.gov.in पर जाये. आवेदन करते समय का चीवजव तथा पहद नचसवंक करना होगा. आवेदन निशुल्क है, किसी भी साइबर कैफे या घर से भी आवेदन कर सकते हैं. नवोदय विद्यालय में शिक्षा निशुल्क दी जाती है. विस्तृत जानकारी के लिए ऊपर दी गई वेबसाइट पर जाये और प्रोस्पेक्टस देखे। उक्त जानकारी विजय

बाजपेयी प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय पिपरसंड लखनऊ ने दी।

ईद उल मिलाद के पर्व को शान्ति पूर्ण मनाने के लिए हुई पीस कमेटी की बैठक

रिपोर्ट उमाकान्त श्रीवास्तव

शाहजहांपुर : ईद–ए–मिलाद उन नवी के मौके पर रविवार को जुलूस निकाले जाने के संबंध में जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मुस्लिम धर्मगुरुओं एवं अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में शांति एवं कानून व्यवस्था की बैठक संपन्न हुई । बैठक में शांतिपूर्वक एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से ईद–ए–मिलाद उन नवी पर्व मनाए जाने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में मौजूद मोहम्मद अनीस अत्तारी ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार के दिन ईद मिलादुन नबी के मौके पर जुलूस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया इस अवसर पर नगर क्षेत्र में प्रातः 6.00 बजे से जुलूस निकाला जायेगा, जो रेलवे स्टेशन रोड नूरी मस्जिद से प्रारम्भ होकर अशफाक नगर तिराहा, निगोही रोड, ए0जेड0 खान हाई स्कूल, दिलाजाघ्क होते हुये अशफाक नगर चौराहा से रोडवेज बस स्टैण्ड, ओवर ब्रिज होते हुए टाउनहाल, हाकी क्लब, लाल इमली चौराहा, घन्टाघर, अंजान चौकी चौराहा, अण्टा चौराहा से होकर खलील शर्की स्थित कटहल वाली गस्जिद पर पहुँचकर समाप्त होगा। उक्त के अतिरिक्त थाना कोतवाली मो० जियाखेल से, थाना रामचन्द्र मिशन चमकनी गाड़ीपुरा तथा थाना सदर बाजार के गो० ककराकलां व शहबाजनगर से छोटे–छोटे जुलूस की शक्ल में नूरी मस्जिद, रेलवे स्टेशन से निकलने वाले बड़े जुलूस में सम्मिलित होने हेतु आते है। जिलाधिकारी ने बैठक में मौजूद धर्मगुरुओं एवं जुलूस के आयोजकों से अनुरोध किया कि जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से विभिन्न क्षेत्रों से निकाला जाए एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में इस पर्व को मनाया जाए।जिलाधिकारी ने जुलूस मार्ग में पड़ने वाले गढ्ढो तथा

लटके हुए बिजली के तारो को ठीक करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया साथ ही उन्होंने ट्रांसफार्मरों को ढकने के भी निर्देश दिए। बर्षा का मौसम होने के कारण बिजली के खंभों, ट्रांसफार्मरों से दूरी बनाए रखें इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए। सावधानी बरतें जिससे किसी प्रकार की कोई अनहोनी होने से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में जुलूस का मार्ग नही बदला जाएगा जुलूस के दौरान इस बात का विशेष ध्यान दें कि कोई नई परंपरा की शुरुआत न की जाए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक एस आनंद ने बताया कि सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन तैनात रहेगा। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें, संदेह होने पर अपने क्षेत्राधिकारी, पुलिस के अधिकारियों से संपर्क कर तुरंत सूचना दें। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी को ईद–ए–मिलाद उन नबी की शुभकामनाएं देते हुए बैठक का समापन किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री रामसेवक द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट श्री आशीष कुमार सिंह, एसपी सिटी संजय कुमार, सीओ सिटी अखंड प्रताप सिंह, शहर पेश इमाम हुजूर अहमद मंजरी, सैयद कासिम रजा, मोहम्मद कासिम, हाजी करीम खान आदि मौजूद रहे।

ंयातायात नियमों का करें पालन : सुरक्षित रहेगी जिंदगी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : लायन्स क्लब जौनपुर मेन द्वारा सेवा सप्ताह के अन्तर्गत आज यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरुकता हेतु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन स्थान जनक कुमारी इन्टर कालेज में आयोजित किया गया। जहाँ छात्र छात्राओं ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों का पालन करने हेतु लोगों को प्रेरित व जागरुक किया। मुख्य अतिथि दिनेश टंडन पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर ने व लायन्स पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्थाध्यक्ष संदीप गुप्ता ने आये हुए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि किसी बीमारी से इतने अधिक लोग प्रतिदिन नहीं मरते जितने अधिक लोग दुर्घटनाओं के कारण आसमयिक मृत्यु के काल में समा जाते हैं, इसलिए जीवन की रक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करना जरूरी है। दिनेश टंडन ने कहा कि यातायात नियमों का शत–प्रतिशत पालन करने से ही मार्ग हादसों पर अंकुश लगाया जा सकता है। जरा सी लापरवाही से परिवार की खुशियां गम में बदल जाती हैं। वाहन चलाने के दौरान इस बात पर जरूर ध्यान दें कि वाहन की गति अनियंत्रित न होने पाए। नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटना की संभावना भी कम होगी और आप सही–सलामत रहेंगे। आगे उन्होंने कहा कि मार्गों पर वाहनों की गति को नियंत्रण में रखें। कभी ओवरटेक न करें। आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर दुर्घटनाएं तेज और अनियंत्रित रफ्तार के कारण ही होती हैं। यातायात नियमों का उल्लंघन भी एक बड़ा कारण है। यातायात के निर्देशों का पालन करने से खुद भी सुरक्षित रहेंगे और दूसरे भी। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम रिया यादव, द्वितीय खुशी कन्नौजिया, तृतीय हर्ष सिंह रहे, जिन्हें शील्ड व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया तथा विनय

अग्रहरि, हर्ष त्रिपाठी, काजल मौर्य, मान्या श्रीवास्तव, मोहम्मद इरफान व सूरज अग्रहरि को सान्त्वना पुरस्कार के रूप में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, उपस्थित लोगों को यातायात नियमों के पालन हेतु शपथ दिलाई गई कि– यातायात संबंधी समस्त नियमों का पालन करेंगें। वाहन को नियंत्रित गति में ही चलाएंगे। कभी भी नशे में वाहन नही चलाएंगे । मुड़ते समय संकेतक लाइट का उपयोग जरूर करेंगे। सड़क पर स्टंट नहीं करेंगें और गलत दिशा में वाहन कदापि नहीं चलाएंगे। सड़क पर अपने बांये तरफ वाहन चलाएं और दूसरी तरफ से आ रहे वाहन को जाने दें। बिना 18 वर्ष की आयु पूर्ण किए तथा बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त किए किसी वाहन का संचालन नहीं करेंगें। बिना हेलमेट के मोटर साइकिल व स्कूटर नहीं चलायेंगे। चौपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करेंगे तथा अन्य को भी प्रयोग के लिए प्रेरित करेंगें। कोई भी गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात नहीं करेगें। आभार विपनेश श्रीवास्तव ने व्यक्त किया, संचालन सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने किया। निर्णायक मण्डल में जवाहर सरोज व संदीप गुप्ता रहे। इस अवसर पर रीजन चेयरमैन अशोक मौर्य, सोमेश्वर केसरवानी, सचिव राजीव श्रीवास्तव, राम कुमार साहू, जीहशम मुफ्ती, राजेश श्रीवास्तव, लियो क्लब अध्यक्ष हर्षित रंजन जितेंद्र प्रसाद, राज कुमार आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में ईद ए मिलाद/बारावफात व अन्य त्योहारों को सकुशल संपन्न कराए जाने हेतु पदाधिकारियों, समाज सेवियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि त्योहार के दौरान विद्युत आपूर्ति बनी रहे। अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि कहीं भी गड्ढा हो तो उसे तत्काल भरवा दें। शाहीपुल की रंगाई पुताई कराने के निर्देश अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी को दिया। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर संतोष मिश्रा को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर निराश्रित गोवंश को पकड़ा जाए। सुकर पालकों को भी नोटिस दिया जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह को निर्देशित किया कि

एंबुलेंस उपलब्ध रहे। ट्रैफिक इंस्पेक्टर को निर्देशित किया कि ट्रैफिक व्यवस्था चुस्त–दुरुस्त रहे, आवश्यक तैयारियां कर ली जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द कायम रखते हुए त्यौहार मनाया जाए। बैठक में जितने सुझाव दिए गए हैं उनका शत–प्रतिशत पालन कराया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामप्रकाश, अपर पुलिस अधीक्षक शहर डॉ० संजय कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र सिंह सहित पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

जौनपुर प्रेस क्लब की बैठक में संगठन को मजबूत बनाने एवं फर्जी पत्रकारो के बाबत प्रशासन से वार्ता करने हेतु चर्चा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पत्रकार भवन में जौनपुर प्रेस क्लब की बैठक जिलाध्यक्ष कपिल देव मौर्य की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पदाधिकारीओ एवं सदस्यों ने संगठन की मजबूती एवं नये साल के सदस्यता अभियान सहित पत्रकारिता को बदनाम करने वाले फर्जी तत्वो को लेकर चर्चा किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि जौनपुर प्रेस क्लब एक परिवार है और परिवार के किसी भी सदस्य अथवा पदाधिकारी को कहीं भी प्रशासनिक अथवा किसी भी स्तर से कोई समस्या आती है तो वह बिना किसी हिचक के जिला कमेटी के समक्ष रख सकता है। जरूरत के अनुसार उसके सहयोग में जिला कमेटी के सभी पदाधिकारी एक जुट होकर सहयोग करेंगे। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के लिए सुझाव दिये और सभी साथियों से अपील किया कि एक मत होकर अपनी ताकत को मजबूत बनाये संगठन को मिलाकर मजबूत बनाया जाये। इसके अलावा पत्रकार साथियों द्वारा फर्जी पत्रकारो द्वारा पत्रकारिता की छबि धूमिल किये जानें के मुद्दे पर अध्यक्ष ने कहा कि निश्चित रूप से जिला प्रशासन के समक्ष इस मुद्दे को उठाया जायेगा ताकि पत्रकार की गरिमा को किसी भी स्तर पर ठेस न पहुंच सके। जिला कमेटी अपने सभी साथियों के साथ खड़ी है। प्रेस क्लब का काम जोड़ना है तोड़ना नहीं। बैठक में जिलाध्यक्ष के प्रस्ताव पर सभी पदाधिकारियों और सदस्यो ने एक मत से सहमति देते हुए एक स्क्रीनिंग कमेटी बनाया जिसका नेतृत्व महामंत्री शम्भुनाथ सिंह को देते हुए उसके सदस्य के रूप में

विरेन्द्र प्रताप सिंह, महर्षी सेठ, बृजेश यदुवंशी, विश्व प्रकाश (दीपक) श्रीवास्तव एवं आशीष पान्डेय को नामित किया गया। इनके द्वारा सभी तहसील की कमेटियों की कार्य पद्धति एवं सदस्यों के चयन आदि के बाबत जांच रिपोर्ट अध्यक्ष को प्रस्तुत किया जायेगा। यह कमेटी तहसील की निष्कृय कमेटियों को सक्रिय करने और तहसीलो में बैठके कराते हुए पत्रकारों की समस्याओ के मुद्दे पर सम्बन्धित से चर्चा करते हुए सहयोग करने का काम करेगी। इसके अलांवा आगामी नये वर्ष के लिए सदस्यता अभियान चल कर दिसम्बर तक सभी सदस्यो का सदस्यता शुल्क जमा कराने का निर्णय लिया गया ताकि जनवरी में सभी साथियों को जौनपुर प्रेस क्लब का परिचय पत्र प्रदान किया जा सके। इसके अलांवा जनवरी में प्रेस क्लब का एक कार्यक्रम कराये जाने को तय किया गया है। बैठक में रूचि न लेने वाले पत्रकार सदस्यो स्पस्टीकरण मांगने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में केदारनाथ सिंह, बृजेश यदुवंशी,राकेश कान्त पान्डेय, महर्षी सेठ, राजदेव यादव, लक्ष्मी नारायन यादव, आशीष पान्डेय, दीपक सिंह रिंकू, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक आदि ने अपने विचार रखते हुए संगठन को मजबूत बनाये रखने का सुझाव दिया। इस बैठक में डॉ लल्लन मौर्य, अवधेश तिवारी, विक्रांत सिंह, सरस सिंह, कमलेश मौर्य, कौशल पान्डेय, शशिकांत मौर्य, जुबेर अहमद, सुजीत वर्मा,श्रमित उपाध्याय सोनू, शिव प्रकाश यादव, सुनील मिश्रा,आलोक सिंह, सादिक ,श्री प्रकाश वर्मा, आसिफ खान, अरूण कुमार श्रीवास्तव, वीरेन्द्र पान्डेय आदि पत्रकार गण उपस्थित रह कर प्रेस क्लब को मजबूत बनाने के लिए अपने सुझाव दिये। जिस पर अध्यक्ष ने अमल करने का आश्वासन दिया। बैठक का सफल संचालन महामंत्री शम्भुनाथ सिंह ने किया।

आईएमए बिल्डिंग और जिला अस्पताल में किया गया रक्तदान शिविर आयोजन

जौनपुर सू.वि. : ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति द्वारा निफा (नेशनल इंटिग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्ट) के तहत आजादी

के अमृत महोत्सव (15 अगस्त से 29 अक्टूबर) के उपलक्ष मे 07–10–2022 को रक्तदान शिविर का आयोजन आईएमए बिल्डिंग और जिला अस्पताल में किया गया। जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा किया गया। शिविर में लगभग 50 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर आईएमए के अध्यक्ष डा. अरून कुमार मिश्रा, डा. एके मौर्य, डा. राकेश सिंह, डा अजय तिवारी, डा.मनोज वत्स, विद्याधर राय विद्यार्थी, सन्दीप उपाध्याय, पवन सिंह, सूबेदार अनिल शर्मा, नायब सूबेदार तारसेम कुमार, अलोक यादव सहित काफी संख्या में किशोरियों ने भी बढ़ चढ़कर रक्तदान शिविर में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन डा अजय तिवारी ने किया। राष्ट्रीय एवं देश भक्ति गीत अंजू मिश्रा, साक्षी सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर एनसीसी की दर्जनों कैडेट एवं संस्था के स्टॉफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्रमुख डॉ. अंजू सिंह ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटों भेंट कर आभार ज्ञापित किया।

मोहम्मद जैद ने 180 लोगों के घर का सपना किया पूरा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। हाईड्स इंफ्रा के डायरेक्टर मोहम्मद जैद ने ईडब्ल्यूएस मकान बनाकर 180 लोगों को चाभी सौंप कर

उनके घर का सपना पूरा किया। कुर्सी रोड दसौली में ईडब्ल्यूएस के मकान बनाकर 500000 में उपलब्ध करा रहे हैं। अब तक 180 लोगों को कब्जा मिल चुका है उनको आवास दिए जा चुके हैं। डेली इनसाइडर ने डायरेक्टर मोहम्मद जैद को सम्मानित किया।

कल होगा अधिवक्ता संघ के पूर्व उपाध्यक्ष जाकिर ए अहलेबैत नजर हसन की मजलिसे चेहलुम

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जाकिर ए अहलेबैत और अधिवक्ता संघ के पूर्व उपाध्यक्ष नजर हसन के चालीसवे की मजलिस 9 अक्टूबर 2022 दिन रविवार को इमामबाड़ा मीर सखावत हुसैन ख्वाजा दोस्त पोस्तीखाना में 9 बजे सुबह होगी। इस मजलिस में सोजखानी नजर हसन मरहूम एडवोकेट के साथी और गौहर अली जैदी के साथी करेंगे मजलिस को संबोधित करेंगे दिल्ली से आ रहे मौलाना सैय्यद मोहम्मद नजर जैनबी मजलिस के बाद अंजुमन सज्जादिया मुफ्ती मोहल्ला नौहां मातम करेगी। आपको बता दें कि अधिवक्ता नजर हसन का पिछले महीने 14 सितंबर को लम्बी बीमारी के बाद उनके आवास पर इंतकाल हो गया था जिससे पूरा शहर गम में डूब गया था। अधिवक्ता के दोनो पुत्र आरिफ रिजवी और आसिफ रिजवी ने तमामी मोमनीन से ज्यादा से ज्यादा तादात मे शिरकत करने की गुजारिश की है।

एडीएम वित्त खैर नगर पालिका के प्रशासक नियुक्त

अलीगढ़ ब्यूरो : खैर के पूर्व विधायक प्रमोद गौड़ व उनके बेटे दिवाकर गौड़ की हत्या की साजिश रचने और सुपारी देने के आरोप में जेल गए खैर नगर पालिकाध्यक्ष संजीव अग्रवाल बिंटू को एक और झटका लगा है। जिला प्रशासन की रिपोर्ट के आधार पर शासन स्तर से एडीएम वित्त को खैर नगर पालिका का प्रशासक नियुक्त कर दिया गया है। राज्यपाल की अनुमति के आधार पर यह फैसला लिया गया है। खास बात यह है कि इस दौरान चेयरमैन संजीव अग्रवाल के सभी अधिकार सीज रहेंगे। शासनादेश जिला मुख्यालय को मिलने की पुष्टि एडीएम प्रशासन ने की है। सिंचाई विभाग की भूमि पर कब्जे की शिकायत के बाद यह मुद्दा सुर्खियों में आया था। इस मामले में पूर्व विधायक प्रमोद गौड़ की ओर से खुद की जान को खतरा बताते हुए पुलिस अधिकारियों से शिकायत की गई, जब इसकी गहराई से जांच हुई तो उजागर हुआ कि चेयरमैन संजीव अग्रवाल द्वारा पूर्व विधायक प्रमोद गौड़ व उनके पूर्व ब्लाक प्रमुख पुत्र दिवाकर गौड़ की हत्या की सुपारी बुलंदशहर के अपराधियों को दी गई है। इतना ही नहीं, चेयरमैन के कार्यालय में अपराधियों के ठहरने आदि के साक्ष्य भी पुलिस को मिले। इस आधार पर 30 अगस्त को खैर में इनकी गिरफ्तारी हुई और चेयरमैन सहित सुपारी लेने व मध्यस्थता करने वाले सभी अपराधियों को जेल भेजा गया। पिछले सप्ताह इस मामले में पुलिस द्वारा सभी पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई भी की गई है। इधर, चेयरमैन के जेल भेजे जाने के बाद ही जिला प्रशासन की ओर से शासन को रिपोर्ट भेजी गई थी, जिसके आधार पर राज्यपाल की अनुमति के बाद निदेशालय नगर विकास अनुभाग के अनु सचिव महावीर प्रसाद की ओर से नगर पालिका खैर के प्रशासक पद पर एडीएम वित्त एवं राजस्व को नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार अग्रिम आदेश तक एडीए वित्त प्रशासक नियत रहकर कार्य संचालन करेंगे। इधर, इस दौरान चेयरमैन के सभी अधिकार सीज रहेंगे और एडीएम वित्त उन अधिकारों से कार्य संचालन करेंगे। – खैर नगर पालिका के चेयरमैन के एक अपराधिक मामले में जेल जाने के कारण प्रशासनिक व्यवस्थाएं ठप हो गई थीं। स्टाफ का वेतन आहरित नहीं हो पा रहा था। अब यहां बेहतर तरीके से व्यवस्थाओं को सुचारू करने के लिए डीएम के निर्देश पर एडीएम वित्त एवं राजस्व अमित कुमार भट्ट को प्रशासक बनाया गया है। इस दौरान चेयरमैन के अधिकार सीज रहेंगे।

ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता परीक्षा में कम्पोजिट विद्यालय आदमपुर की छात्रा साक्षी यादव उत्तीर्ण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता परीक्षा में कम्पोजिट विद्यालय आदमपुर की छात्रा साक्षी यादव के सफल होने पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा माल्यार्पण कर मिष्ठान खिलाया गया। आज कंपोजिट विद्यालय आदमपुर के प्रांगण में ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल छात्रों में उत्तीर्ण छात्रा साक्षी यादव का विद्यालय के प्रधानाध्यापक /अटेवा पेंशन बचाओ मंच जौनपुर के जिला संगठन मंत्री सुबास सरोज एवम विद्यालय के समस्त स्टाफ के द्वारा परीक्षा में सफल छात्रा साक्षी यादव का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए मिष्ठान खिलाया गया । आपको बताते चले की इस क्विज प्रतियोगिता परीक्षा में ब्लॉक के सभी विद्यालय से तीन तीन बच्चों ने भाग लिया था।जिसमे कम्पोजिट विद्यालय आदमपुर बरसठी की छात्रा साक्षी यादव कक्षा 7 ने ब्लाक में तीसरा स्थान पाकर विद्यालय का नाम रोशन किया है।छात्रा साक्षी को आशीर्वाद देते हुए प्रधानाध्यापक सुबाष सरोज ने बताया कि गांव के लोगों ने ढेर सारी

बधाईयाँ भेजी है। बधाई देने वालों में अटेवा के जिला अध्यक्ष चन्दन सिह जिला मिडिया प्रभारी इंदु प्रकाश यादव ग्राम प्रधान शिवकुमार यादव एस एम सी अध्यक्ष महेश प्रजापति अन्य लोगों ने बधाईयाँ दी है। अन्त में खड शिक्षा अधिकारी श्री शशांक सिंह का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक धशिक्षिकाएं शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

वाराणसी में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत : 10 घंटे बाद झाड़ियों में मिला शव

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी के पिंडरा क्षेत्र में बीती रात अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई। युवक रात में नाइट ड्यूटी के लिए निकला था। कंपनी नहीं पहुंचने पर रात से ही उसकी तलाश हो रही थी। करीब 10 घंटे बाद शनिवार सुबह उसका शव एग्रो पार्क के सामने दिग्घी (करखियांव) में सड़क किनारे झाड़ियों में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। चंदौली के दाऊदपुर चकिया निवासी विजय प्रकाश प्रजापति (23) करखियांव से सटे त्रिलोचन स्थित एक ब्रांडेड पेंट कम्पनी के गोदाम में काम करता था। शनिवार शाम वो अपने बड़े भाई रमेश प्रजापति के साथ कमरे से पैदल ही कंपनी जाने के लिए निकला था। रास्ते में विजय प्रकाश किसी काम से पीछे रह गया। रमेश कंपनी पहुंच गया। रात 10 बजे तक विजय कंपनी नहीं पहुंचा तो उसकी तलाश शुरू हुई। करखियांव पुलिस चौकी को भी सूचना दी गई। रात में विजय का कोई सुराग हाथ नहीं लगा। शनिवार सुबह एग्रो पार्क के सामने दिग्घी (करखियांव) में सड़क के

किनारे विजय की चप्पल मिली। शंका वश जब लोगों ने सड़क के किनारे झाड़ियों में देखा तो विजय औंधे मुंह गिरा मिला। वो मृत था। उसका मोबाइल बंद था। सूचना पर बड़ा भाई रमेश पहुंचा और शव की शिनाख्त की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। विजय प्रकाश शादीशुदा था और उसे दो बच्चे भी हैं। पुलिस के मुताबिक अज्ञात वाहन की टक्कर से सिर में चोट लगने के कारण विजय प्रकाश प्रजापति की मौत हुई है। उसके बड़े भाई ने तहरीर दी है।

प्राइवेट अस्पताल में उपचार के दौरान मासूम की मौत : लापरवाही का आरोप लगाकर परिजनों ने किया हंगामा

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी के शिवपुर क्षेत्र स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में उपचार के दौरान मासूम की मौत हो गई। डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाकर परिजनों ने जबरदस्त हंगामा किया। अस्पताल पर पथराव किया। शव को सड़क पर रख जाम लगाने की कोशिश की। मौके पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को किसी सरह से शांत कराया। जौनपुर के मिसीरपुर निवासी जित्तू राजभर की छह वर्षीय पुत्री नैना की तबियत शुक्रवार को बिगड़ गई। नैना को उपचार के लिए अर्दली बाजार स्थित निजी क्लिनिक में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने जांच पड़ताल की बालिका को डेंगू पीड़ित निकली। प्लेटलेट्स घटकर 48 हजार के करीब आ गया था। प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची को शिवपुर क्षेत्र स्थित प्राइवेट अस्पताल में रेफर कर दिया। यहां भर्ती होने के बाद उपचार शुरू हुई तो बच्ची की हालत सुधरी। शनिवार सुबह नैना को डॉक्टर ने दो इंजेक्शन लगाए। इसके बाद उसकी तबियत बिगड़ी और कुछ ही देर में मौत हो गई। डॉक्टरों ने इसकी सूचना परिजनों को दी तो वे आक्रोशित हो उठे। डॉक्टर पर लारवाही का आरोप लगाकर परिजनों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। अस्पताल की खिड़कियों पर पथराव किया। सूचना पर डायल 112 के दो पुलिसकर्मी बाइक से पहुंचे। लोगों को समझाने की कोशिश की। हंगामा बढ़ता देख प्रभारी निरीक्षक शिवपुर सतीश यादव फोर्स सहित मौके पर पहुंचे तो स्थानीय लोग मौके से भाग निकले। शिवपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मामले में अस्पताल प्रबंधन ने शिवपुर पुलिस को तहरीर दी है। इधर,परिजनों का आरोप है डॉक्टरों की लापरवाही से मेरी बच्ची की मौत हुई है।

दिल्ली आने–जाने वालों के लिए रेलवे का तोहफा : त्योहार के लिए चलेंगी 14 जोड़ी ट्रेनें

पीडीडीयू नगर ब्यूरो : दीपावली और डाला छठ पर दिल्ली से बिहार वापस आने वाले और त्योहार के बाद काम पर वापस जाने वालों को दिक्कत न हो इसके लिए पटना, दरभंगा, भागलपुर से दिल्ली के लिए 14 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इससे यात्रियों को घर वापसी में धक्के नहीं खाने पड़ेंगे। पटना से आनंद विहार के बीच 15 अक्तूबर से सात नवंबर तक प्रतिदिन ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन पटना से सुबह 10 बजे खुलेगी और आरा, बक्सर, पीडीडीयू जंक्शन, प्रयागराज, कानपुर होते हुए रात 23.40 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। इसी तरह आनंद विहार से रात एक बजे बजे खुलकर उसी दिन 14.45 बजे पटना पहुंचेगी। इसी तरह दिल्ली–पटना सुपरफास्ट पूजा स्पेशल दिल्ली से 21 और 29 अक्तूबर को रात 00.45 बजे खुलकर उसी दिन शाम 15.45 बजे पटना पहुंचेगी। वहीं पटना से 18.45 बजे खुलकर अगले दिन 10.20 बजे दिल्ली पहुंचेगी। दिल्ली–पटना सुपरफास्ट पूजा स्पेशल 28 अक्तूबर को दिल्ली से 00.05 बजे खुलकर उसी दिन शाम 15.45 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन उसी दिन पटना से 18.45 बजे खुलकर अगले दिन 10.20 बजे दिल्ली पहुंचेगी। दिल्ली–भागलपुर सुपर फास्ट पूजा स्पेशल 23 और 26 अक्तूबर को दिल्ली से सुबह 09.00 बजे खुलकर अगले दिन सुबह 07.00 बजे भागलपुर पहुंचेगी। वापसी में 24 और 27 अक्तूबर को यह ट्रेन को भागलपुर से सुबह 09.45 बजे खुलकर अगले दिन सुबह 06.45 बजे दिल्ली पहुंचेगी। दिल्ली–भागलपुर सुपर फास्ट पूजा स्पेशल 21 और 25 अक्तूबर को दिल्ली से सुबह 09.00 बजे खुलेगी और अगले दिन सुबह 07.00 बजे भागलपुर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 22 और 26 अक्तूबर को भागलपुर से सुबह 09.45 बजे खुलकर अगले दिन सुबह 06.45 बजे दिल्ली पहुंचेगी। आनंद विहार टर्मिनस– मुजफ्फरपुर पूजा स्पेशल 20 अक्तूबर को आनंद विहार टर्मिनस से दोपहर 12.00 बजे खुलकर अगले दिन सुबह 10.25 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन मुजफ्फरपुर से दोपहर 13.00 बजे खुलकर अगले दिन 10.10 बजे आनंद विहार टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह आनंद विहार सहरसा पूजा स्पेशल भी चलेगी। दिल्ली–दरभंगा पूजा स्पेशल 20 और 26 अक्टूबर को दिल्ली से दोपहर 14.20 बजे खुलकर अगले दिन 15.45 बजे दरभंगा पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 21 और 27 अक्तूबर को दरभंगा से शाम 18.20 बजे खुलकर अगले दिन 19.55 बजे दिल्ली पहुंचेगी। इसी तरह दिल्ली दरभंगा पूजा स्पेशल 27 अक्तूबर को दिल्ली से 14.20 बजे खुलकर अगले दिन 15.45 बजे दरभंगा पहुंचेगी। वापसी में 28 अक्तूबर को दरभंगा से शाम 18.20 बजे खुलकर अगले दिन 19.55 बजे दिल्ली पहुंचेगी। वहीं दिल्ली भागलपुर सुपरफाट पूजा स्पेशल 22 अक्तूबर को दिल्ली से सुबह 09.00 बजे खुलकर अगले दिन सुबह 07.00 बजे भागलपुर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 23 को भागलपुर से 09.45 बजे खुलकर अगले दिन 06.45 बजे दिल्ली पहुंचेगी। धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर अस्थायी ठहराव यात्रियों की सुविधा के लिए धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर दस अक्तूबर से छह माह के लिए प्रयोग के तौर पर विभिन्न ट्रेनों का अस्थायी ठहराव शुरू किया जा रहा है। पूर्व मध्य रेलवे क मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि लातेहार स्टेशन पर अप और डाउन आनंद विहार हटिया स्वर्ण जयंती, हावडा भोपाल एक्सप्रेस, संभलपुर बनारस एक्सप्रेस और राची सासाराम एक्सप्रेस का ठहराव दिया गया है। इसी तरह बरवाडीह स्टेशन पर बरकाकाना–पटना पलामू एक्सप्रेस, रांची–सासाराम एक्सप्रेस, कोडरमा स्टेशन पर गांधीधाम– हावड़ा गरबा एक्सप्रेस रुकेगी। दीपावली और डाला छठ को देखते हुए अप और डाउन कोलकाता जम्मूतवी एक्सप्रेस का धनबाद मंडल के नेताजी सुभाषचंद्र बोस गोमो और कोडरमा के बीच स्थित चौबे स्टेशन पर दो मिनट का अस्थायी ठहराव दिया जाएगा। अप और डाउन में आठ अक्तूबर से सात नवंबर तक चौबे स्टेशन पर कोलकाता जम्मूतवी दो मिनट के लिए रूकेगी।

डीकेयू व एनबीसी चैनल ब्यूरो चीफ अयोध्या राजेश श्रीवास्तव के बड़े भाई सुनील श्रीवास्तव पंचतत्व में विलीन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)देश की उपासना हिंदी समाचार पत्र व एनबीसी चैनल ब्यूरो चीफ अयोध्या राजेश श्रीवास्तव के बड़े भाई व जिले के तारुन शिक्षा क्षेत्र कंपोजिट विधालय चक्रसेन पुर प्रभारी व प्रधानाचार्य सुनील कुमार श्रीवास्तव गमगीन माहौल में शनिवार को जमथरा घाट पर पंचतत्व में विलीन हो गये।मालूम हो कि कई दिनों से कैंसर से पीड़ित सुनील कुमार श्रीवास्तव की मृत्यु निज आवास कोतवाली नगर क्षेत्र के हैदरगंज मोहल्ले में शुक्रवार को दोपहर एक बजे हो गई थी।शनिवार को गमगीन माहौल मेंघ उनका दाह संस्कार जमथरा घाट पर उनके पिता श्याम चंद लाल श्रीवास्तव ने किया।इस मौके पर जमथरा घाट पर पवन कुमार श्रीवास्तव, अरविंद कान्त श्रीवास्तव, रत्नेश कान्त श्रीवास्तव, शशांक श्रीवास्तव, सुमित श्रीवास्तव, वैभव श्रीवास्तव,रिद्वम श्रीवास्तव,शशि श्रीवास्तव, एमडीएम प्रभारी विनय कुमार त्रिपाठी,पूर्व प्राचार्य साकेत महाविद्यालय डाक्टर अजय मोहन श्रीवास्तव, श्रीवास्तव, शिक्षकों में नरेन्द्र सिंह, डाक्टर सिकंदर सिंह, मनोज यादव,संपूर्णा नंद, डाक्टर अजय तिवारी, डाक्टर आलोक श्रीवास्तव, डाक्टर मनोज सैनी सहित पत्रकार, शिक्षा, अधिकारी जगत से जुड़े अनेक लोग मौजूद रहे।

एटीएम क्लोनिंग गिरोह का पर्दाफाश : एसटीएफ ने शंकरगढ़ से चार को किया गिरफ्तार

प्रयागराज ब्यूरो : क्लोनिंग के जरिए एटीएम कार्ड से लोगों की खून–पसीने की कमाई एक झटके में पार कर देने वाले गिरोह का भंडाफोड़ शुक्रवार को हुआ। एसटीएफ ने इसके चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 38 डेबिट कार्ड, 16 हजार नकद व अन्य सामान बरामद किए। पकड़े गए चारों बदमाश प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं। डिप्टी एसपी नवेंदु सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को उनकी टीम ने शंकरगढ़ के रामभवन चौराहे के पास स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम बूथ के बाहर से चारों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से एटीएम कार्ड व नकदी के अलावा सात मोबाइल, आधार व बाइक बरामद हुई। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उनका अंतरराज्यीय गिरोह है। वह ग्रामीण परिवेश के भोले–भाले लोगों को झांसा देकर उनके कार्ड का क्लोन तैयार कर लेते हैं। इसके बाद अलग–अलग प्रदेशों में जाकर क्लोनिंग के जरिए तैयार कार्ड से रकम निकाल लेते हैं। छह अक्तूबर को उन्होंने मप्र के रीवा

में इसी तरह 20 हजार रुपये निकाले थे। इसी कार्ड के जरिए वह शाम को शंकरगढ़ रुपये निकालने पहुंचे थे कि तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। डिप्टी एसपी ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कराकर आरोपियों को शंकरगढ़ पुलिस को सौंप दिया गया है।

दो किलो 800 ग्राम चरस के साथ नेपाली तस्कर गिरफ्तार : 500 रुपये में हुआ था सौदा

बहराइच ब्यूरो : सशस्त्र सीमा 42 वी वाहिनी के डिप्टी कमांडेंट अनिल यादव ने बताया एक नेपाली तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से 2 किलो 800 ग्राम चरस बरामद हुई है। यह चरस नेपाल से भारतीय क्षेत्र में ले जाया जा रहा था तभी पंच पोखरी के जवान व रुपईडीहा पुलिस के संयुक्त गस्ती दल ने बगीचे में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जो नेपाली मूल का मादक पदार्थ तस्कर निकला जिसकी पहचान कृष्ण निवासी खैरानी गांव विकास समिति वार्ड नंबर 4 मैना पोखर जिला बर्दिया के रूप में हुई है। वहीं मादक पदार्थ तस्कर का कहना है कि नेपाल के पंच पोखरा के दो अज्ञात व्यक्तियो द्वारा यह चरस भारतीय क्षेत्र में पहुंचाने के लिए उसे 500 रुपए मिलने थे। डिप्टी कमांडेंट अनिल यादव ने बताया कि मादक पदार्थ तस्कर को भारत–नेपाल सीमा के पिलर संख्या 652/12 के पास गिरफ्तार किया

गया है। प्रभारी निरीक्षक श्रीधर पाठक ने बताया कि मादक पदार्थ तस्कर के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जालसाजी के आरोपी ने पुलिसकर्मी से हाथापाई कर फाड़ी वर्दी

गोरखपुर ब्यूरो : नौकरी दिलाने के नाम पर जालसाजी करने का आरोपी शुक्रवार को सहजनवां पुलिस से उलझ गया। आरोप है कि उसने सिपाही का कॉलर पकड़ कर खींच लिया, जिससे उसकी वर्दी फट गई। बल प्रयोग कर सिपाही उसे लेकर थाने आए और फिर उसके खिलाफ एक सिपाही की तहरीर पर केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान सहजनवां थाना क्षेत्र खीरीडांड़ गांव निवासी दीपक गौड़ के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, सहजनवां इलाके के एक युवक ने दीपक पर नौकरी के नाम पर 1.04 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया। जन शिकायत अधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में युवक ने लिखा है कि दीपक ने वर्ष 2017 में नौकरी दिलाने के नाम पर 1.04 लाख रुपये हड़प लिया है। जनसुनवाई अधिकारी के निर्देश पर थाने से सिपाही अशोक एक अन्य साथी सिपाही के साथ जांच करने गांव में पहुंच गए। घर पर मौजूद दीपक को थाने चलने को कहा तो

वह उलझ गया। आरोप है कि कहासुनी के दौरान पहले दीपक सिपाही का कालर पकड़कर खींचने लगा। अशोक ने छुड़ाने का प्रयास किया तो उनकी वर्दी फाड़ दी। घटना के बाद पुलिसकर्मियों ने आरोपित को पकड़ लिया।

आवासीय विद्यालय निर्माण में खामियों को दूर कराने के निर्देश

अलीगढ़ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की सचिव निशा अनंत ने शुक्रवार को सीडीओ अंकित खंडेलवाल के साथ तहसील गभाना क्षेत्र के गांव टमकौली में बन रहे अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। भवन का तेजी से निर्माण हो रहा है। निरीक्षण के दौरान यहां प्रथम तल पर आरसीसी का कार्य एवं द्वितीय तल की छत पर शटरिंग एवं स्टील बाइडिंग का कार्य होता मिला। कल्याण बोर्ड की सचिव निशा अनंत ने निरीक्षण के समय मिली कमियों एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराए जाने के निर्देश कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग (विश्व बैंक खंड) के संबंधित अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने यहां शहरी विद्युत फीडर से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। स्मार्ट क्लास संचालन के लिए प्रत्येक कक्षा में पीए सिस्टम एवं परीक्षा कक्ष को स्थापित कराने, सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक खिड़की पर ग्रिल लगाने, शौचालयों को हवादार बनाने संबंध

ी कई निर्देश दिए। इस मौके पर कार्यदायी संस्था के सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग नवेद राना, श्रम प्रवर्तन अधिकारी हिमांशु अग्रवाल, जितेंद्र सिंह, आदित्य त्यागी, प्रोजेक्टर मैनेजर, अभय प्रताप सिंह आदि साथ थे।

अब सीएससी से भी होगी स्टांप की बिक्री : व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू –मंत्री रविंद्र जायसवाल

प्रयागराज ब्यूरो : योगी सरकार में ई स्टांप और पंजीयन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल ने कहा कि अब स्टांप पेपर की बिक्री सीएससी यानी कॉमन सर्विस सेंटर से भी की जा सकेगी। यह व्यवस्था शुक्रवार से ही लागू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि पहले रक्त संबंध रखने वाले परिजनों को भूमि ट्रांसफर करने पर सात प्रतिशत स्टांप शुल्क लगाया जाता था, अब यह व्यवस्था बदल कर महज 5000 कर दी गई है। इसका काफी लाभ देखने को मिल रहा है। यह व्यवस्था 18 जून से लागे हो चुकी है। इस व्यवस्था का लाभ अब तक एक लाख 38 हजार 499 लोग उठा चुके हैं, जिससे सरकार को 477.54 लाख रुपए की आय हुई है। उन्होंने बताया कि आगामी नगर निकाय चुनाव को देखते हुए पार्टी ने

उन्हें और लोक निर्माण विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद को प्रयागराज का प्रभारी नियुक्त किया है।

घर वापस लौट रही इंजीनियरिंग की छात्रा के साथ जीप में दुष्कर्म : फोन छीनकर कर दिया स्विच ऑफ

सुल्तानपुर ब्यूरो : शहर से जीप से घर जा रही छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र की एक छात्रा लखनऊ में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही है। शुक्रवार को लखनऊ से घर आने के लिए वह चारबाग रेलवे स्टेशन से हिमगिरि एक्सप्रेस पर सवार हुई। करीब 7:45 पर जब वह सुल्तानपुर जंक्शन पहुंची तो इसकी सूचना अपने परिजनों को दी। रोडवेज बस स्टेशन पहुंचने के बाद घर आने के लिए वह सवारी ढूंढ रही थी। इसी बीच एक अनजान व्यक्ति उसके पास आया। उसने कहा उसकी मैजिक उसके घर तक जा रही है। छात्रा विश्वास कर उसके साथ मैजिक पर बैठने गई तो अनजान व्यक्ति ने बताया कि मैजिक खराब है। अब हम बोलेरो जीप से चलेंगे। छात्रा जब जीप के पास पहुंची तो उसमें चालक समेत चार लोग बैठे थे। छात्रा परिजनों को जीप से घर पहुंचने की सूचना देते हुए उस पर सवार हो गई। जिला मुख्यालय से चलने के बाद जीप में बैठे दो अज्ञात व्यक्ति रास्ते में ही अपने गंतव्य स्थल पर उतर गए। उसके बाद जीप चालक के साथ केवल एक अनजान व्यक्ति ही जीप में बचा। छात्रा ने इस बात की जानकारी अपने परिजनों को दी। परिजनों ने छात्रा के मोबाइल से चालक से बात की तो उसने छात्रा को घर तक छोड़ देने को आश्वस्त किया। पीड़ित छात्रा के मुताबिक लखनऊ बलिया राजमार्ग पर चालक ने उसका फोन छीनकर स्विच ऑफ कर दिया। उसके बाद सुनसान जगह पर गाड़ी खड़ी कर चालक और अनजान व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद आरोपी उसे जयसिंहपुर कोतवाली से लगभग 200 मीटर की दूरी पर रात 10:30 बजे नहर की पटरी पर छोड़ कर फरार हो गए। जाते समय छात्रा का मोबाइल लौटा दिया। पीड़ित छात्रा ने मोबाइल ऑन कर अपने साथ हुई घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजन छात्रा को लेकर कोतवाली पहुंचे। क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर प्रशांत सिंह ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है। छात्रा को मेडिकल के लिए भेजा गया है।

नेपाल में बारिश के कारण जिले की नदियों में फिर उफान : प्रशासन सतर्क

गोरखपुर ब्यूरो : नेपाल में हो रही लगातार बारिश के कारण जिले की दो नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। रोहिन नदी खतरे के निशान से 87 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है, तो राप्ती नदी शनिवार तक खतरे के निशान को पार कर सकती है। इसे देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। तटबंधों की निगरानी करने को कहा है। उधर, जलस्तर बढ़ने से बाढ़ से प्रभावित होने वाले इलाकों के लोगों की सांसें अटकी हुई हैं। जिला प्रशासन ने सभी तहसीलों को निर्देश दिए हैं कि सभी बाढ़ चौकियों को 24 घंटे सक्रिय रखा जाए। राजस्व, सिंचाई एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम निरंतर निरीक्षण कर तटबंधों की निगरानी करे। आपदा प्रभारी एवं एडीएम फाइनेंस राजेश कुमार सिंह ने बैठक करके बताया कि राप्ती नदी शनिवार को खतरे का निशान पार कर सकती है। यह नदी जिले की छह तहसीलों को प्रभावित करती है। राप्ती की सहायक नदी रोहिन शुक्रवार को खतरे का निशान पार कर गई है। ऐसे में सभी तहसीलों और संबंधित विभाग स्तर पर इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर संचालित करने और उससे लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह, स्वास्थ्य, पशु पालन, पंचायती राज एवं लोक निर्माण विभाग की रैपिड रिस्पांस टीम को क्रियाशील रखने और आवश्यकता पड़ने पर समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। एडीएम ने चेताया कि इन कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही हुई तो संबंधित अधिकारी, कर्मचारी के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम–2005 की धारा–51 से 60

के तहत कार्रवाई की जाएगी। श्रावस्ती में राप्ती बैराज से प्रतिदिन छोड़ा जा रहा 1.9 लाख क्यूसेक पानी श्रावस्ती में राप्ती नदी के बैराज से प्रतिदिन 1.9 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इससे वहां राप्ती खतरे के निशान से 1.40 मीटर ऊपर बह रही है। इस पानी के आगे बढ़ने पर जिले में भी बाढ़ के आशंका जताई जा रही है। वहीं, कई दिनों से हो रही बारिश ने सिंचाई विभाग के अभियंताओं की चिंता बढ़ा दी है। चार दिन पूर्व राप्ती खतरे के निशान से तीन मीटर नीचे चली गई थी। अब एक बार फिर इसके खतरे के निशान को पार करने की आशंका है। केंद्रीय जल आयोग की तरफ से इस तरह का संदेश दिया गया है। वहीं, घाघरा नदी खतरे के निशान से काफी नीचे बह रही है। अन्य नदियां भी खतरे के निशान से नीचे हैं। सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता दिनेश सिंह ने कहा कि नेपाल से इतना पानी पहली बार अक्तूबर में आया है। श्रावस्ती में बैराज से लगातार 1.9 लाख क्यूसेक पानी पास हो रहा है, जो नेपाल से आ रहा है। इसे देखते हुए विभाग पूरी तरह से सतर्क है। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। बाढ़ चौकियों को सक्रिय किया गया है।

घायल व्यापारी विकास की मौत : प्रतिमा विसर्जन के दौरान लगी थी गोली

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले के शाहपुर इलाके में मूर्ति विसर्जन में शामिल होने के दौरान गोली से घायल राप्तीनगर के विकास तिवारी की मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज में हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने बृहस्पतिवार की देर रात लखनऊ रेफर कर दिया था। बाराबंकी के पास जाते समय मौत हो गई। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि जिस लकी निषाद पर गोली मारने का आरोप है, उसे विकास ने घटना वाले दिन पहले मारा था और फिर उसने विकास को गोली मार दी। उधर, पुलिस ने विकास तिवारी के पिता की तहरीर पर गुलरिहा के लकी निषाद, पंकज और अखिलेश के खिलाफ नामजद हत्या का केस दर्ज कर लिया है। लकी निषाद सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लिया। घटना में इस्तेमाल असलहा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, विकास तिवारी पर 2019 में गोरखनाथ थाने में फर्जी लाइसेंस पर शस्त्र खरीदने का मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद कैंट पुलिस ने विकास पर गैंगस्टर की कार्रवाई भी की थी। जेल से छूटने के बाद ही उसने दवा का व्यापार शुरू कर दिया था, लेकिन उसकी पुराने दोस्तों से दोस्ती खत्म नहीं हो पाई थी। बृहस्पतिवार को वह मोहल्ले के ही पंकज के यहां स्थापित दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन में शामिल होने गया था, जहां पर डांस करने के विवाद में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। हालांकि, पुलिस हत्या के वजहों की गहराई से जांच कर रही है। यह हुआ था राप्तीनगर निवासी व रिटायर्ड महिला दरोगा दमयंत्री त्रिपाठी के पुत्र विकास तिवारी दवा का व्यापार करता था। बृहस्पतिवार को मोहल्ले में स्थापित दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन में शामिल होने के लिए गया था। रिलायंस ट्रेड के पास ही दोस्तों से उसका विवाद हो गया था और गोली लगने से घायल हो गया था। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां से लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ ले जाते समय उसकी मौत हो गई। अगस्त 2019 में दर्ज कराया गया था फर्जी शस्त्र लाइसेंस केस 18 अगस्त 2019 को डीएम कार्यालय में तैनात आयुध लिपिक रामसिंह व सूर्यभान ने फर्जी लाइसेंस पर असलहा खरीदे जाने के मामले में रवि आर्म्स कार्पोरेशन टाउनहाल के प्रोपराइटर प्रकाश नारायण पांडेय, कैंट क्षेत्र के रहने वाले शिवम मिश्रा, शाहपुर के राप्तीनगर के विकास तिवारी और गोरखनाथ, हुमायूंपुर के सहिदाबाद निवासी तनवीर खान के खिलाफ साजिश के तहत फर्जी दस्तावेज तैयार कर जालसाजी करने का मामला दर्ज कराया था। बाद में इस मामले में विकास तिवारी पर गैंगस्टर के तहत कार्रवाई भी की गई थी। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने कहा कि मेडिकल स्टोर संचालक विकास तिवारी को गोली लगी थी। इलाज के लिए लखनऊ ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर एक आरोपी लकी को हिरासत में ले लिया है। सीसी टीवी कैमरे, फॉरेंसिक जांच और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस जांच कर रही है। जांच के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

भरत मिलाप शोभायात्रा में दर्शक दिखे भावविभोर

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : श्री बाल रामलीला नाट्य कला मंदिर चौक द्वारा भव्य भरत मिलाप शोभायात्रा निर्धारित मार्ग से निकाली गई जिसका जगह जगह श्रद्धालुओ ने स्वागत किया। भरत

मिलाप शोभायात्रा नगर पालिका परिषद शाहाबाद के सन्निकट से प्रस्थान कर घास मंडी तिराहा, बड़ी बाजार घंटाघर होते हुए जय भोले सिद्ध बाबा मंदिर पहुंची, जहां पर भरत मिलाप हुआ, दोनों भाइयों में अगाध प्रेम देखकर दर्शक भाव विह्वल हो गए, सभी मंत्रमुग्ध मुद्रा में संपूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति भाव से भरत मिलाप देख रहे थे जिसमें दर्जनों दर्शकों के नेत्र अश्रुपूरित हो गए। भरत मिलाप जय भोले सिद्ध बाबा मंदिर पर सम्पन्न हुआ जिसमे संस्थापक राजेश वर्मा,अध्यक्ष उमेश गुप्ता,महामंत्री वासू वर्मा,संयोजक धीरू अवस्थी, दिनेश सैनी , अंबरीश द्विवेदी, रमेश सैनी ,दिनेश सैनी,राहुल, शिवनंदन वर्मा, आदि कमेटी के सदस्य गणों ने भगवान श्री राम,माता जानकी का भोग लगाकर आरती की।

एम्स में पांच विभागों की जल्द शुरू होगी आईसीयू : अगले माह हो सकता है लोकार्पण

गोरखपुर ब्यूरो : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज कराने वालों के लिए राहत भरी खबर है। जल्द ही पांच विभागों की इंटेसिव केयर यूनिट (आईसीयू) शुरू होगी। इन विभागों में सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, एनेस्थीसिया, हृदय रोग विभाग शामिल हैं। इनमें सर्जरी विभाग के 16 बेड के आईसीयू लगभग तैयार हो चुके हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि एक माह के अंदर सभी आईसीयू तैयार हो जाएंगे। अगले

माह एम्स की निदेशक इसका लोकार्पण कर सकती हैं। जानकारी के मुताबिक, एम्स में प्रतिदिन स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार हो रहा है। रोज नए–नए वार्ड शुरू किए जा रहे हैं। अब तक 18 विभागों से अधिक की ओपीडी चल रही है। इनमें प्रतिदिन दो हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। इसके अलावा स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की टीम ने प्रसव कराना भी शुरू कर दिया है। लेकिन, अभी स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग को छोड़कर अन्य किसी विभाग का आईसीयू नहीं चल रहा था। इसे देखते हुए एम्स प्रशासन ने शुरुआती पांच विभागों का आईसीयू शुरू करने का फैसला लिया है। इन विभागों में सबसे पहले 16 बेड का आईसीयू सर्जरी विभाग का तैयार किया जा रहा है। इसके बाद अन्य विभागों के 16–16 बेड के आईसीयू बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। एम्स के मीडिया प्रभारी डॉ मुकुल सिंह ने बताया कि सर्जरी सहित पांच विभागों के आईसीयू लगभग तैयार हो चुके हैं। एक माह के अंदर सभी शुरू कर दिए जाएंगे। विशेषज्ञ डॉक्टरों की जल्द होगी तैनाती एम्स में जल्द ही विशेषज्ञ पदों पर डॉक्टरों की तैनाती की जाएगी। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। पहले चरण में 170 पदों पर रिक्तियां निकाली गई थीं, जिसका इंटरव्यू हो चुका है। बताया जा रहा है कि इन पदों पर तैनाती होने के बाद दूसरे फेज के तहत विशेषज्ञ डॉक्टरों की रिक्तियां निकाली जाएंगी।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।